रेलगाड़ी का चलाया जाना

२३३३. **श्री जांगडे** : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दुर्गापुर से बिलासपुर या रायगढ़ तक स्थानीय सवारी गाड़ी चलाने पथा हावड़ा-नागपुर लाइन पर जनता एक्सप्रेस गाड़ी चलाने के लिये डिब्बे कब तक उपलब्ध हो जायेंगे ; और

(ख) क्या १९५६ की समाप्ति की तक इन गाड़ियों को चलाने का विचार है ?

रेलवे तथा परिवहन मंत्री (श्री एल० बी० शास्त्री) : (क) तथा (ख). हावड़ा-नागपुर सेक्शन पर अधिक गाड़ियां चलाने का इस समय कोई प्रस्ताव नहीं है । इस सेक्शन पर दोहरी लाइनें बिछायी जारही हैं और लाइन की क्षमता बढ़ाने के कुछ दूसरे काम भी जारी हैं। अनुमान है कि ये काम दूसरी पंजवर्षीय योजना के अन्त तक पूरे हो जायेंगे । इन कामों के पुरा हो जाने पर इस सैक्शन पर अधिक गाड़ियां चलाने के सवाल पर विचार किया जायेगा ।

आयुर्वेदिक शिक्षण कालेज

२३३४. **श्री जांगडे** : क्या स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगी कि :

(क) केन्द्रीय सरकार द्वारा सहायता प्राप्त आयुर्वेदिक अध्यापन या प्रशिक्षण कालेजों से १९५१ से १९५६ के बीच विभिन्न पाठ्य-क्रमों में सफल हो कर और अुपाधियां प्राप्त करके कितने विद्यार्थी निकले हैं ; और

(ख) उन सफल विद्यार्थियों में से कितने विद्यार्थी केन्दीय सरकार के अधीनस्थ हस्पतालों में लगाये गये हैं ?

बिना विभाग के मंत्री (श्री बी० के० कृष्ण मेनन) : (क) इस बारे में सूचना एकत्र की जा रही है जो मिलने पर सभा की भेज पर रख दी जायगी ।

(ख) केन्द्रीय सरकार के नियन्त्रण में कोई आयर्वेदिक अस्पताल नहीं हैं । इसलिए सफल आयुर्वेदिक विद्यार्थियों को ऐसे अस्पतालों में लगाने का प्रश्न ही नहीं उठता ।

कोटला मुबारकपूर

२३३५. **श्री जांगड** : क्या स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगी कि :

(क) दिल्ली सुधार प्रन्यास ने किस वर्ष में कोटला मुबारकपुर बस्ती, नई दिल्ली, को अपने नियंत्रण में लिया था ;

(ख) इस बस्ती की कुल जनसंख्या कितनी है और वहां तक अब पीने के पानी, नालियों, सड़कों, प्रकाश, टट्टियों और शिक्षा की क्या सुविधायें प्रदान की गई है ;

(ग) अब तक कितने लोगों पर इस कारण जुर्माना किया गया है कि उन्होंने उस तरीके पर अपनेम कान नहीं बनवाये, जिस तरीके पर बनाने के लिये सुधार प्रन्यास ने कहा था, अथवा जिन्होंने अवैध ढंग से अपने मकान बनाये हैं और

(घ) इस बस्ती में हरिजनों की संख्या कितनी है ?

बिना विभाग के मंत्री (श्री बी० के० कृष्ण मेनन) :

(क) दिल्ली सुधार प्रन्यास ने अभी तक इस बस्ती को अपने नियंत्रण में नहीं लिया है ।

(ख) जनसंख्या : २५,०००

पीने का पानी : कुओ निजी हैन्ड पम्पों और फिल्टर पानी के दो सार्वजनिक नलों द्वारा पीने के पानी की व्यवस्था की गई है । बारह और सार्वजनिक नलों के लगाने के प्रश्न पर दक्खिन दिल्ली म्युनिसिपल कमेटी विचार कर रही है ।

नालियां : पानी के निकास के लिए सुव्यवस्थित नालियों नहीं हैं, लेकिन पुरानी बस्ती की आवादी में पक्की नालियों बनाई जा रहीं हैं । कोटला बस्तों के एक भाग से एक लम्बी कच्ची नाली के जारिये पानी का निकास सेवानगर मे किया जा रहा है ।

सड़के : कोटला मुबारकपुर में हीरासिंह बाजार रोड नामक एक पक्की सड़क का निर्माण दक्षिण दिल्ली म्युनिसिपल कमेटी द्वारा पुरा हो चुका है । कमैटी का विचार एक और सड़क बनाने का है जो हीरासिंह बाजार को पंजाबी बस्ती के साथ मिलायेगी ।